अमर उजाला बृहस्पतिवार • 16.04.2026

एआई व गणित में शानदार अंक बने सफलता की कुंजी

मेधावियों ने इन्हीं दोनों में अर्जित किए पूरे अंक, 99 के पार गया ओवरऑल प्रतिशत

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। सीबीएसई 10वीं के इस बार के परिणाम में छात्रों के बेहतर प्रदर्शन के पीछे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और गणित में मिले उच्च अंकों की अहम भूमिका रही। टॉपर्स की सूची पर नजर डालें तो अधिकांश मेधावी छात्रों ने इन दोनों विषयों में उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर अपने कुल प्रतिशत को ऊंचाई तक पहुंचाया।

डीपीएस आजादनगर की अविका अग्रवाल (99.8), सर पदमपत सिंहानिया की अवनि मिश्रा (99.2) और डीपीएस कल्याणपुर की चारू चौहान (99) ने एआई और गणित में लगभग पूर्ण अंक हासिल किए। यही कारण रहा कि उनका ओवरऑल प्रतिशत 99 के पार पहुंच सका। इसी तरह गार्डेनिया पब्लिक स्कूल के अनमोल, चिंटल्स कल्याणपुर की श्रेष्ठा पांडे (98.8) और डीपीएस बर्रा की कनिष्का चनपुरिया (98.8) ने भी इन विषयों में शानदार प्रदर्शन किया।

शिक्षकों के अनुसार, एआई जैसे नए और स्किल बेस्ड विषय ने छात्रों को बेहतर स्कोर करने का अवसर दिया है। प्रैक्टिकल और एप्लीकेशन आधारित पढ़ाई के कारण छात्र इस विषय में अधिक अंक ला पा रहे हैं। गणित में नियमित अभ्यास और मजबूत अवधारणाओं ने छात्रों का प्रदर्शन और बेहतर बनाया है। विशेषज्ञों का मानना है कि एआई और गणित जैसे स्कोरिंग विषयों पर फोकस करने से छात्रों को प्रतिस्पर्धा में बढ़त मिलती है।

पिता विभू पांडेय के साथ श्रेष्ठा। संवाद

रोज चार घंटे पढ़कर पाई सफलता

हाईस्कूल की परीक्षा में द चिंटल्स स्कूल कल्याणपुर की छात्रा श्रेष्ठा पांडेय ने 98.8 प्रतिशत अंक पाकर माता-पिता और विद्यालय का नाम ऊंचा किया है। इंद्रानगर की रहने वाली श्रेष्ठा पांडे ने पिता विभू पांडे कारोबारी और मां निधि पांडेय ने बताया कि बेटी ने परीक्षा को लेकर काफी मेहनत की है। इसी का नतीजा है कि सफलता मिली है। श्रेष्ठा ने कहा कि वह रोज चार घंटे पढ़ाई को देती थीं। भविष्य में अंतरराष्ट्रीय राजदूत के रूप में अपना स्थान बनाना चाहती हैं। वर्तमान में विश्व में हो रही लड़ाई को लेकर कहा कि लड़ाई सिर्फ समाज में कई साल पीछे ले जाती है। किसी भी समस्या को बात से हल किया जा सकता है। उनके अंग्रेजी में 100, गणित में 80, साइंस में 98, संस्कृत में 99 और एआई में 100 अंक हैं।

बेटियों का दबदबा

मेधावी सूची में लड़कियां आगे

कानपुर। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा घोषित 10वीं परीक्षा परिणाम में इस बार बेटियों का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। शहर के प्रमुख स्कूलों की मेधावियों की सूची में लड़कियां न केवल संख्या में आगे रहीं बल्कि उच्चतम अंक भी हासिल किए।

डीपीएस आजादनगर की अविका अग्रवाल ने 99.8 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। सर पदमपत सिंहानिया एजुकेशन सेंटर की अवनि मिश्रा ने 99.2 प्रतिशत अंक, डीपीएस कल्याणपुर की चारू चौहान ने 99 फीसदी अंक हासिल किए। इसके अलावा पारज अरोड़ा (98.8), वेदिका राजश्री (98.4), श्रेष्ठा पांडे (98.8) और कनिष्का चनपुरिया (98.8) ने भी शानदार प्रदर्शन किया। वहीं, लड़कों में भी सोहित (98.6), प्रखर कटियार (98), अनिमेष बिस्वास (97.8) और शशांक मिश्रा (97.4) ने अच्छे अंक प्राप्त किए लेकिन कुल मिलाकर बेटियों का प्रदर्शन अधिक प्रभावी रहा। (ब्यूरो)

पुराने पेपर को जरूर करें सॉल्व

अपने परिजनों के साथ अवनि मिश्रा।

99.2 फीसदी अंक लाने वाली सर पदमपत सिंहानिया एजुकेशन सेंटर की छात्रा अवनि मिश्रा का कहना है कि बोर्ड की तैयारी कर रहे छात्र पुराने पेपर को जरूर सॉल्व करें। पुराने सालों के पेपरों से काफी सवाल आते हैं। इसके अलावा हैंडराइटिंग पर विशेष ध्यान दें। पढ़ाई का हौव्वा न बनाएं। कहती हैं कि मैंने फिल्में भी देखी, परिवार के कार्यक्रमों में हिस्सा भी लिया। गिटार, किताबें पढ़ने की शौकीन अवनि अब एक मिस्ट्री नॉवेल लिख रही हैं। पिता अभिषेक मिश्रा आईटी प्रोफेशनल और मां प्रियंका मिश्रा ग्लोबली हिंदी सिखाती हैं। लाजपतनगर निवासी अवनि के भी हिंदी में 98 अंक हैं। गणित में शतप्रतिशत अंक मिले हैं। वह सेकेंड बोर्ड तो नहीं देंगी लेकिन कॉपी रीचेकिंग में देंगी। उनका कहना है कि एक-दो अंक बढ़ने की उम्मीद है।

की-वर्ड को करें हाइलाइट, नहीं लें तनाव

98.4% अंक हासिल करने वाली सर पदमपत सिंहानिया एजुकेशन सेंटर की वेदिका राजश्री कहती हैं कि की-वर्ड को हाईलाइट करें। आपके उत्तर का प्रस्तुतिकरण भी काफी महत्वपूर्ण हैं, इस पर छात्रों को ध्यान देना चाहिए। वेदिका भी सेकंड बोर्ड को देने के पक्ष में नहीं है। भविष्य में इंजीनियरिंग करने का लक्ष्य रखने वाली वेदिका युद्ध से नाराज हैं। उनका कहना है कि दो देशों के मतभेदों में लाखों बेगुनाह अपनी जान गंवा देते हैं। उनके पिता डॉ. उमेश कुमार बनारस के कॉलेज में प्रोफेसर और मां डॉ. अनीता राय पीपीएन डिग्री कॉलेज में प्रोफेसर हैं।

डॉक्टर बनना चाहते हैं सुयश

97.8 फीसदी अंक पाने वाले सर पदमपत सिंहानिया एजुकेशन सेंटर के छात्र सुयश कहते हैं कि मेरी सफलता में मां शैलजा आनंद और मौसी डॉ. सुमित्रा निगम का बड़ा रोल रहा है। मां लेबर ऑफिसर हैं और कालपी में तैनात हैं और मौसी स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं। वह मौसी के साथ ही पले बढ़े हैं। अपने अंकों से संतुष्ट सुयश कहते हैं कि वह भी डॉक्टर बनना चाहते हैं।